नारी स्वय् संचालित

समस्या

1. विश्व मे य़ । भारत मे । कुछ ना समझ व्यक्ति । नारी को अबला । और कमजोर समझते हैं । नारी के ऊपर अत्याचार करते हैं । नारी को सताते हैं । नारी को सिर्फ । काम वासना पूर्ति का साधन मानते हैं । नारी की शक्ती को नही पहचानते ।

समाधान नारी शक्ति

1. नारी स्वय् संचालित शक्ती है । लेकिन । पुरूष । नारी शक्ती से । संचालित होता है ।
2. नारी । पुरूष के जीवन मे । डायनुमा की तरह । काम करती है ।
3. पुरूष के जीवन मे । नारी के प्रवेश करते ही । लापरवाह पुरूष । जिम्मेदार बन जाता है । अकर्मन्ड पुरूष । कर्मवीर बन जाता है । न कमाने वाला पुरूष । कमाने लगता है ।
4. पुरूष के जीवन । प्रकाशमय हो जाता है । पुरूष का जीवन । खुसियों से भर जाता है । नारी के बिना । पुरूष का जीवन अधूरा है ।
5. हर एक नारी । हर एक पुरूष के लिए । एक शक्ती है ।
6. इसीलिए । पुरूष । नारी की तरफ भागता है । की जीवन मे । नारी के प्रवेश करते ही । जीवन खुसियों से भर जाएगा ।
7. इसीलिए नारी को शक्ती कहते है ।

नारी का योगदान

1. आज की नारी । भारत के हर महत्व पूर्ण क्षेत्र मे । बढ चढ कर योगदान देती है । जैसे
2. साइन्टफिक आपरेशन मे । ग्रहों मे जाकर । ग्रहों की जानकारी । लाने मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
3. आज की नारी । सेना मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
4. आज की नारी । हवाई जहाज मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
5. आज की नारी । पुलिस मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
6. आज की नारी । खेल जगत मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
7. आज की नारी । राजनीती क्षेत्र मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
8. आज की नारी । सरकारी नौकरी मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
9. आज की नारी । प्राइवेट नौकरी मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
10. आज की नारी । फिल्म जगत मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

सिस्टम चेन्ज

नारी स्वय् संचालित

11. आज की नारी । मीडिया मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
12. आज की नारी । कम्पनी कारखानों मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
13. आज की नारी । स्कूलों मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
14. आज की नारी । कालेजों मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
15. आज की नारी । व्यापार मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।
16. आज की नारी । कई महत्व पूर्ण क्षेत्र मे । बढ चढ कर । योगदान देती है ।

इसीलिए लेखक ने । जीसियो नियम से । नारी को । पुरूष के समान अधिकार दिया है ।

नारी के सहयोग के बिना । भारत को । विश्व अग्रणी बनाने कि दिशा मे । सोंचा भी नही जा सकता ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेराभारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L